Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to include Rajvanshi Language in 8th schedule of constitution.

श्रीनिशीथप्रामाणिक (कूचबिहार): आदरणीयअध्यक्षमहोदय, मैंआपकेमाध्यमसेइससदनकोअवगतकरानाचाहूँगाकिपूरेभारतमेंसाढ़ेतीनकरोड़लोगराजवंशीसमुदायकेअंतर्गतआतेहैं । इसमेंज्यादातरलोगपश्चिमबंगाल, असम, मणिपुरऔरमेघालयमेंजीवनयापनकरतेहैं ।

राजवंशीभाषालोगोंमेंअपनापन, मिठासऔरमधुरतापैदाकरनेवालीभाषाहै ।यहमधुरभाषाविलुप्तनहोजाए, इसलिएआपसेमेराविनम्रनिवेदनहैकिइसभाषाकोआठवींअनुसूचीमेंएकजनजातीयभाषाकेरूपमेंभारतकीभाषासूचीमेंजगहदी ।

माननीयअध्यक्ष: डॉ. सुकान्तमजूमदारकोश्रीनिसिथप्रामाणिकद्वाराउठायेगयेविषयसेसंबद्धकरनेकीअनुमतिप्रदानकीजातीहै ।